ई.एच.आई.-05

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2024 और जनवरी 2025 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.-05

पाठ्यक्रम शीर्षक : भारत : 18वीं शताब्दी के मध्य से 19वीं शताब्दी के मध्य तक

इतिहास संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

सत्रीय कार्य
2024-2025

कार्यक्रम कोड : बी.डी.पी.
पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.-05

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि आपको बी.डी.पी. की कार्यक्रम दर्शिका में बताया गया है आपको इस ऐच्छिक पाठ्यक्रम के लिए एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

सत्र	जमा करने की तिथि	कहां जमा करना है
जुलाई 2024 सत्र के लिए	**31 मार्च 2025**	**पूरा किया हुआ सत्रीय कार्य अपने केंद्र के संयोजक के पास जमा करा दें।**
जनवरी 2025 सत्र के लिए	**30 सितम्बर 2025**	

सत्रीय कार्य में दिए गए प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ लीजिए।

सत्रीय कार्य करने से पहले कुछ बातें :

सत्रीय कार्य करने से पहले ध्यान रखें : सामाजिक विज्ञानों में किसी भी तरह के लेखन के लिए चार सोपान आवश्यक हैं। ये हैं (क) योजना (ख) वस्तु चयन (ग) प्रस्तुतीकरण (घ) व्याख्या

क) योजना : आपसे क्या प्रश्न पूछा गया है और उत्तर में क्या लिखना है। इस पर विचार कीजिए। इकाइयों का ठीक तरह से अध्ययन कीजिए। कुछ अतिरिक्त जानकारी चाहें तो पुस्तकालय का उपयोग कीजिए।

यह देखें कि प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में देना है या 250 शब्दों में या सिर्फ 100 शब्दों में। बड़े प्रश्नों के लिए विवरणों के साथ व्याख्या भी करनी होगी। तीसरे प्रकार के प्रश्न के उत्तर में संगत विवरणों को संक्षेप में प्रस्तुत करें।

ख) वस्तु चयन : उत्तर देने के लिए आपको सही तथ्यों तथा विवरणों का चयन करना होगा। इसके लिए आप (i) अपनी इकाइयों से नोट्स लें, (ii) तथ्यों को ध्यान से देखें और उत्तर के लिए अनावश्यक विवरण निकाल दें, और (iii) उत्तर का पहला खाका लिख लें। इससे आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि आप उत्तर में क्या सूचनाएं/विवरण प्रस्तुत करना चाहते हैं।

ग) प्रस्तुतीकरण : अब आप उत्तर का दूसरा खाका तैयार करें। इससे आप अपने विचारों को स्पष्टता से व्यक्त कर सकेंगे। आप यह भी जान सकेंगे कि दी गयी शब्द सीमा में आप बात कैसे कह सकते हैं।

उत्तर का तीसरा और अंतिम प्रारूप तैयार कीजिए और देखिए कि आपने सारी आवश्यक बातें अपेक्षित शब्द सीमा में प्रस्तुत की हैं या नहीं।

घ) **व्याख्या** : इतिहास लेखन में व्याख्या की प्रक्रिया का अनन्य स्थान है। आपकी योजना तथा वस्तु चयन में भी व्याख्या की झलक दिखाई देगी। संभवतः, शायद, क्योंकि, इसलिए, आदि शब्दों के साथ आपके वक्तव्य व्याख्या की झलक देते हैं। यहां आपको ध्यान रखना होगा कि आपके तथ्य आपके वक्तव्य का समर्थन करते हैं अथवा नहीं।

टिप्पणी : अगर आपके पास समय सीमित हो तो :

1) पहला प्रारूप तैयार करें, उत्तर की संगतता, शब्द सीमा, आदि पर ध्यान दें, और
2) अंतिम प्रारूप तैयार करें।

अब आप उत्तर लिखने के लिए तैयार होंगे।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य
ई.एच.आई.-05
भारत : 18वीं शताब्दी के मध्य से 19वीं शताब्दी के मध्य तक

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.-05
सत्रीय कार्य कोड : ई.एच.आई.-05/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2024-2025
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के निर्धारित अंक प्रश्न के सामने लिखे हैं।

भाग 1: निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1) स्थायी बंदोबस्त और रैयतवाड़ी बंदोबस्त की मुख्य विशेषताओं की तुलना कीजिए और उनमें अंतर कीजिए। क्या ये दोनों प्रणालियां अपने उद्देश्यों को पूर्ण करने में सक्षम हुईं? **20**

2) उपयोगितावादी विचारों के मुख्य पहुलओं पर चर्चा कीजिए। **20**

3) युद्ध व सैन्यीकरण ने मैसूर राजस्व प्रणाली के गठन को किस प्रकार प्रभावित किया? विस्तार से बताएँ। **20**

4) 19वीं शताब्दी में भारतीय चित्त पर पश्चिमी ज्ञान के प्रभाव पर टिप्पणी कीजिए। **20**

भाग 2: निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।

5) 18वीं सदी के अंत तथा 19वीं सदी के आरंभ में ब्रितानी नीति को आकार देने में प्राच्यविदों की क्या भूमिका थी? **12**

6) 1857 के विद्रोह की प्रकृति पर चर्चा कीजिए। **12**

7) क्या भारत में 18वीं सदी ''अंधकारमय युग'' था? टिप्पणी कीजिए। **12**

8) 1833 के चार्टर अधिनियम का क्या प्रभाव पड़ा? चर्चा कीजिए। **12**

9) क्या अंग्रेज़ों ने 18वीं और 19वीं शताब्दी में प्रभावी रूप से 'कानून का शासन' स्थापित किया था? टिप्पणी कीजिए। **12**

10) क्या बर्मा युद्ध अंग्रेज़ों के उद्देश्यों को पूर्ण करने में सक्षम हुए? **12**

11) भारत में सामाजिक सुधारों को अग्रसर करने में राजा राममोहन राय की भूमिका की चर्चा कीजिए। **12**

12) हिन्दी-उर्दू विवाद पर टिप्पणी कीजिए। **12**

भाग 3: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए।

13) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए : **6+6**

(क) संन्यासी विद्रोह
(ख) मराठा शासन के दौरान 'फ़ितना'
(ग) सर विलियम जोन्स
(घ) अफ़ग़ान युद्ध